
Shri Virabhadra MalamahamantraH

श्रीवीरभद्रमालामहामन्त्रः

Document Information

Text title : Virabhadra Mala Maha Mantra

File name : vIrabhadramAlAmahAmantraH.itx

Category : shiva, mAlAmantra

Location : doc_shiva

Transliterated by : Mohan Chettor

Proofread by : Mohan Chettor, NA

Latest update : February 18, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 18, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Virabhadra Malamahamantra

श्रीवीरभद्रमालामलामन्त्रः




श्री अघोर वीरभद्र प्रलयकाललुङ्कार वीरभद्रमालामलामन्त्रः ।

मन्त्रः -

ॐ विं ॐ नमो भगवते श्री अघोरवीरभद्राय त्रिनेत्रमुकुटाय
चन्द्रकलाधराय जटाजूटमणिकुण्डलभूषणाय मलामयङ्गुरस्वरूपाय
महाप्रलयकालस्वरूपाय युगयुगान्तकालप्रयाण्डध्वंसकाय
भद्राङ्ग कपाल पाश त्रिशूल उमरुक् करवालङ्गलभङ्ग
धनुर्दस्तायानन्तकर्णकुण्डलाय वासुडिकर्णभरणाय तक्षकलाराय
कर्कोटकयज्ञोपवीताय शङ्खपालघटिकसूत्राय पद्मपादपुरिकटकाय
महापद्मवन्दितपादयुगलाय सर्वगुणोम्बरविनोदानाय
आचारप्रतिपालनायानाचारसंभारणाय अद्भुतशक्तिप्रदाय
मौक्तिकमुक्ताभरणाय दक्षमभविध्वंशनाय सोमसूर्याग्निनीयनाय ॐ
श्रीं अघोरप्रलयकाललुङ्कार अघोर वीरभद्र
ब्रह्मगृहं बन्धय बन्धय विष्णुगृहं बन्धय बन्धय
रुद्रगृहं बन्धय बन्धय केतुगृहं बन्धय बन्धय
ईन्द्रदशगृहं बन्धय बन्धय अग्निदशगृहं बन्धय बन्धय
यमदशगृहं बन्धय बन्धय नैरृतिदशगृहं बन्धय बन्धय
वरुणदशगृहं बन्धय बन्धय वायुदशगृहं बन्धय बन्धय
कुबेरदशगृहं बन्धय बन्धय ईशानदशगृहं बन्धय बन्धय
आकाशदशगृहं बन्धय बन्धय अवान्तरदशगृहं बन्धय बन्धय
पातालदशगृहं बन्धय बन्धय यक्षगणं बन्धय बन्धय
राक्षसगणं बन्धय बन्धय गन्धर्वगणं बन्धय बन्धय
किन्नरगणं बन्धय बन्धय किंपुरुषगणं बन्धय बन्धय
भूतगणं बन्धय बन्धय प्रेतगणं बन्धय बन्धय
पिशाचगणं बन्धय बन्धय ब्रह्मराक्षसगणं बन्धय बन्धय
जटिगणं बन्धय बन्धय कुम्भिनीगृहं बन्धय बन्धय

शुभिनिगृहं बन्धय बन्धय बालगृहं बन्धय बन्धय
शाकिनीगृहं बन्धय बन्धय डाकिनीगृहं बन्धय बन्धय
डाकिनीगृहं बन्धय बन्धय मोहिनीगृहं बन्धय बन्धय
कामिनीगृहं बन्धय बन्धय वीरगृहं बन्धय बन्धय
शूरगृहं बन्धय बन्धय लखिगृहं बन्धय बन्धय
यर्गुगृहं बन्धय बन्धय स्मशानकटारिगृहं बन्धय बन्धय
जलकटारिगृहं बन्धय रक्तकटारिगृहं बन्धय
शूटारिगृहं बन्धय बन्धय नाटारिगृहं बन्धय
कन्नियेरि गृहं बन्धय काञ्चि्लेरिगृहं बन्धय
नाविलेरिगृहं बन्धय मुटारिगृहं बन्धय
मुनियेरिगृहं बन्धय यतुष्षष्टिमन्त्रस्थापितग्रहान् बन्धय
जटामुनिग्रहं बन्धय खेवलमुनिग्रहं बन्धय
श्मशानवासुकिगृहं बन्धय नानावर्णगृहं बन्धय बन्धय
नानाजातिगृहं बन्धय बन्धय सर्वदृष्टग्रहान् बन्धय बन्धय
ॐ अधोरप्रलयकालदुङ्कारसंभारवीरभद्राय ब्रह्माण्डरोमकूपविलम्बिताय
लोकैकनाथाय त्रैलोक्यऽम्बराय
ॐ विं अधोरप्रलयकालदुङ्कार संभारवीरभद्र आगच्छ आगच्छ
आकर्षय आकर्षय आवेशय आवेशय
अवतारय ललललल लिलिलिलिलि लुलुलुलुलु अधोरप्रलयकालवीरभद्र
शीघ्रं शीघ्रं आकर्षय आकर्षय आवेशय आवेशय स्तम्भय
स्तम्भय मोडय मोडय भ्रामय भ्रामय भीषय भीषय पेषय
आपूरय पारु हारु पोक हूं ह्रीं हूं श्री अधोरप्रलयकालदुङ्कार
अधोरवीरभद्राय नमस्ते नमस्ते स्वाहा ।
एति श्रीवीरभद्रमालामलामन्त्रः सम्पूर्णः ।

Encoded and proofread by Mohan Chetoor

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

